

प्रेषक,

जे०पी०जोशी,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
अभियोजन, उत्तराखण्ड,  
62, इन्दिरा नगर,  
देहरादून।

गृह अनुभाग-6, देहरादून।

दिनांक- ०७ अगस्त, 2009

विषय:- अभियोजन अधिष्ठान हेतु वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिये वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, अभियोजन अधिष्ठान हेतु वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिये, निम्न विवरणानुसार कुल रु०-2,83,75,000/- (रु० दो करोड़ तिरासी लाख पिचहत्तर हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

मानक मद	प्रस्तावित धनराशि
01-वेतन	2,00,00,000 /-
02-मजदूरी	50,000 /-
03-मंहगाई भत्ता	50,00,000 /-
06-अन्य भत्ते	22,00,000 /-
09-विद्युत देय	1,00,000 /-
10-जलकर/जल प्रभार	25,000 /-
13-टेलीफोन पर व्यय	2,00,000 /-
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	2,50,000 /-
17-किराया, उपशुल्क और कर स्वामित्व	4,00,000 /-
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	1,50,000 /-
योग-	2,83,75,000 /-

(रु० दो करोड़ तिरासी लाख पिचहत्तर हजार मात्र)

2- उक्त स्वीकृति की धनराशि में से शासनादेश संख्या-418/बीस-6/02(03) 2008, दिनांक-31.03.09 एवं शासनादेश संख्या-581/बीस-6/02(05)2009, दिनांक-28.05.09 द्वारा इन मदों हेतु लेखानुदान के अर्न्तगत जारी धनराशि का समायोजन भी किया जायेगा।

3- जिन मामलों में बजट अनुदान, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अर्न्तगत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की

२५

आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व सक्षम स्तर की स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाये।

4— जारी स्वीकृति के सापेक्ष व्यय का विवरण निर्धारित प्रपत्र बी0एम0-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग तथा गृह विभाग को प्रतिमाह विलम्बतम 20 तारीख तक (पूर्व माह की सूचना) उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। जनपद स्तर पर विभिन्न मदों में की गई धनराशि के आवंटन का विवरण भी शासन को एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

5— शासन द्वारा समय-समय पर मितव्ययता सम्बन्धी निर्गत शासनादेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-205/XXVII(1) 2009, दिनांक-25.03.09 तथा वित्तीय वर्ष 2009-10 की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने विषयक शासनादेश संख्या-515(1)/XXVII(1)2009, दिनांक-28.07.09 में दिये गये प्राविधानों व दिशा-निर्देशों का पूर्णतया पालन भी सुनिश्चित किया जाये।

6— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-10 के अर्न्तगत लेखाशीर्षक-2055-पुलिस-आयोजनेत्तर-800 अन्य व्यय-03 अभियोजन अधिष्ठान के अर्न्तगत सुसंगत इकाइयों के नामे डाला जायेगा।

भवदीय,

(जे0पी0जोशी)

संयुक्त सचिव।

संख्या-1054(1)/बीस-6/02(05)2009, तददिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, देहरादून।
- 2-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3-वित्त नियंत्रक, पुलिस मुख्यालय, देहरादून।
- 4-निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5-वित्त अनुभाग-5।
- 6-निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7-गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)

अनु सचिव।